Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BA-412

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination August – 2021

B.A. (with Yoga Science), Semester : Fourth
Sanskrit ; Paper : Second

साहित्यं धर्मशास्त्रं च

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. मुण्डकोपनिषदानुसार परा–अपरा विद्या किसे कहते हैं? श्लोक/प्रसंग अनुसार समझाइये।
2. मुण्डकोपनिषद् में वर्णित मोक्ष प्राप्ति के उपायों को श्लोक सहित लिखिए।
3. "रे रे चातक. ..... दीनंवचः।।" – पूरा श्लोक लिखकर व्याख्या करें। नीतिशतकम् का किञ्चित् परिचय भी लिखें।
4. महाकवि कालिदास जी का व्यक्तित्व तथा कृतित्व पर प्रकाश डालिए।
5. रघुवंश महाकाव्य का परिचय देते हुए द्वितीय सर्ग का सार लिखिए।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

1. "उपनिषद्" शब्द को समझाते हुए मुख्य उपनिषदों की संख्या व नाम लिखें।
2. महात्मा भर्तृहरि का परिचय लिखिए।
3. नीतिशतक में वाणी को सबसे बड़ा अलंकार (आभूषण) क्यों माना गया है? विवेचन कीजिए।
4. "प्रणवोधनुः शरो ह्यात्मा. .....।।" – श्लोक को लिखकर व्याख्या करें।
5. रघुवंश महाकाव्य के द्वितीय सर्ग में–से कोई दो श्लोक लिखकर संक्षिप्त व्याख्या भी करें।
6. "यदा किञ्चिज्ज्ञोऽहं. .....।।" – श्लोक की पूर्ति करें।
7. मुण्डकोपनिषद् में–से आपको सबसे अधिक प्रेरित करने वाले कोई दो श्लोक लिखें।

----------x----------